भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या: 1980
गुरुवार, 31 जुलाई, 2025/9 श्रावण, 1947 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

हिसार में अंतरराष्ट्रीय विमान पत्तन का निर्माण

1980. श्री जय प्रकाश:

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या हरियाणा के हिसार में एक अंतरराष्ट्रीय विमान पत्तन विकसित करने की योजना कई वर्षों से चल रही है, हालांकि अभी तक कोई नियमित वाणिज्यिक उड़ान या अंतरराष्ट्रीय सेवा शुरू नहीं की गई है;

(ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और परियोजना के तीनों चरणों में अब तक कितनी प्रगति हुई है और कितना व्यय हुआ है;

(ग) क्या नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) या लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता के संबंध में आपत्तियाँ उठाई हैं और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या सरकार उक्त परियोजना को समय पर पूरा करना सुनिश्चित करने हेतु कोई विशेष उपाय कर रही है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क) और (ख): हरियाणा राज्य में स्थित हिसार हवाईअड्डा, हरियाणा राज्य सरकार के स्वामित्व वाला एक प्रचालनरत हवाईअड्डा है तथा राज्य सरकार और भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) के बीच हस्ताक्षरित प्रचालन एवं अनुरक्षण समझौते के तहत भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) द्वारा प्रचालित किया जाता है। वर्तमान में हिसार हवाईअड्डे से दिल्ली, अयोध्या और चंडीगढ़ सहित अन्य स्थानों के लिए एलाइंस एअर द्वारा अनुसूचित वाणिज्यिक उड़ानें परिचालित की जा रही हैं।

इस हवाईअड्डे का विकास कार्य हरियाणा राज्य सरकार द्वारा चरणबद्ध रूप से किया गया है और परियोजना के चरण I और चरण II के तहत अब तक लगभग 1457 करोड़ रुपये व्यय किए जा चुके हैं।

(ग): नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) या लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) द्वारा निर्माण कार्य की गुणवत्ता के संबंध में कोई आपत्ति रिपोर्ट नहीं की गई है।

(घ) : नए टर्मिनल भवन और संबंधित अवसंरचना के निर्माण से संबंधित कार्य अगस्त 2024 में अवार्ड किया गया है। हवाईअड्डा परियोजनाओं का समय पर पूरा होना विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है, जिनमें भूमि अधिग्रहण, सांविधिक मंजूरियां, बाधाओं को दूर करना और संबंधित परियोजना प्राधिकरणों द्वारा वित्तीय समापन शामिल है।

******